दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 309
■ दमण, रविवार 30, अगस्त 2026
■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु
■ RNI NO-DDHIN/2005/16215
■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश में प्रशासक प्रफुल पटेल के सफल शासन के 10 वर्ष पूरे

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ने विराट कार रैली के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल के "सुशासन के दशक" का मनाया जश्न

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में संघ प्रदेश थ्रीडी ने पिछले एक दशक में विकास की नई ऊंचाईयों को छुआ हैः संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ■ प्रशासक प्रफुल पटेल जी ने प्रगति, विकास और जनकल्याण से इस संघ प्रदेश को मॉडल प्रदेश की श्रेणी में सबसे पहले पहुंचाया हैः संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के शासन के सफलतम् 10 साल पूरे होने पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा ने आज दमण में विराट रैली निकालकर सुशासन के दशक का जश्न मनाया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल के नेतृत्व में आयोजित विराट कार रैली में दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, दमण जिला भाजपा युवा मोर्चा प्रमुख मिलन पटेल, मरवड ग्राम पंचायत सरपंच रमेश (सोमा) पटेल सहित बडी संख्या में संघ प्रदेश के युवा मौजूद रहे। कार रैली के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की जनता तक यह संदेश पहुंचाया कि प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं कनेक्टिविटी, पर्यटन, रोजगार, खेल, शहरी विकास, आधारभूत सुविधाओं तथा जनकल्याण के क्षेत्र में हुए विकास कार्यों ने प्रदेश को नई गति और नई पहचान प्रदान की है। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने विकास के 10 वर्ष प्रगति का नया संकल्प के संदेश के साथ प्रदेश के विकास और जनकल्याण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को जन-जन तक पहुंचाया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया ने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाईयों को छुआ है। प्रशासनिक स्तर पर लिए गए दूरदर्शी निर्णयों और विकासोन्मुखी कार्यों का लाभ आज प्रदेश के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र को मिल रहा है। यह दस वर्ष विकास, सुशासन और जनसेवा के समर्पण के दस वर्ष रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के विकास की इस यात्रा को आगे भी निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है और विकसित, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करती रहेगी। भव्य कार रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने प्रदेश के विकास के प्रति उनके संकल्प और संगठन की एकजुटता को भी प्रदर्शित किया। प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने कहा कि प्रशासक प्रफुल पटेल जी ने प्रगति, विकास और जनकल्याण से इस संघ प्रदेश को मॉडल प्रदेश की श्रेणी में सबसे पहले पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में संघ प्रदेश थ्रीडी को शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अनेक सौगातें प्रशासक प्रफुल पटेल ने दी है। हम सभी युवाओं ने आज विराट कार रैली निकालकर पिछले एक दशक में इस संघ प्रदेश में आए बदलाव का जश्न मनाया है।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और शासन के 10 साल पूरे होने पर पूर्व सांसद लालू पटेल किये कई सेवाकीय कार्य

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और शासनकाल के 10 वर्ष पूरा होने पर दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने कई सेवाकीय कार्य किये। इस अवसर पर पूर्व सांसद लालू पटेल ने अपनी धर्मपत्नी तरुणा पटेल के साथ कंठेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रशासक प्रफुल पटेल के स्वस्थ जीवन एवं दीर्घायु की कामना की। इसके साथ ही पूर्व सांसद लालू पटेल एवं तरुणा पटेल ने कचीगाम विस्तार में जरूरतमंदों को राशन किट बांटी। दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने गौ शाला में जाकर गौ माता को चारा खिलाकर गौ सेवा की। इसके साथ ही उन्होंने वृक्षारोपण सहित कई सेवाकीय कार्य किये। उल्लेखनीय है कि पूर्व सांसद द्वारा प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर पिछले कई वर्षों से विभिन्न सेवा के कार्य किये जाते हैं।

घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल ने छोटे के बच्चों के साथ केक काटकर मनाया प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिनः विधवा एवं वृद्ध महिलाओं को बांटी साडी एवं फ्रूट किट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल के निवासस्थान पर संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन छोटे बच्चों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए तिथि भोजन का भी आयोजन किया गया था। सरपंच हिताक्षी पटेल ने छोटे बच्चों के साथ केक काटकर प्रशासक प्रफुल पटेल जन्मदिन मनाया और उनकी दीर्घायु की कामना की। इसके साथ ही प्रदेश में 10 वर्ष के सुशासन का जश्न मनाते हुए घेलवाड पंचायत कार्यालय पर विधवा एवं बुजुर्ग महिलाओं को साडी एवं फ्रूट किट वितरित कर सेवा का कार्य किया। इस अवसर पर हिताक्षी पटेल ने लाभार्थी महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में हुए विकास कार्यों की सराहना की।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर महाप्रलय में महाराष्ट्र के 200 से 400 नागरिक फंसे, 60 के लापता होने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। नेपाल और तिब्बत की सीमा से लगे क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बीच महाराष्ट्र के करीब 200 से 400 नागरिकों के फंसे होने का अनुमान है। इनमें से करीब 100 से 125 लोगों का एक समूह सुरक्षित बताया जा रहा है। यह समूह मानसरोवर की ओर आगे बढ़ रहा है या फिर वहां से वापसी के मार्ग पर है। हालांकि, सीमा क्षेत्र में सड़कें और इमिग्रेशन पोस्ट बह जाने के कारण इन यात्रियों की सुरक्षित वापसी बड़ी चुनौती बन गई है। नेपाल और चीन की सरकारें उनके लिए वैकल्पिक मार्ग तलाशने में जुटी हैं। अखिल महाराष्ट्र गिर्यारोहण महासंघ के अध्यक्ष उमेश झिरपे ने कहते हैं कि वे प्रभावित यात्रियों और कुछ गिर्यारोहकों के लगातार संपर्क में हैं। उनके अनुसार, मुंबई से गए एक समूह के करीब 60 लोगों के लापता होने की आशंका है। इस समूह में महाराष्ट्र के नागरिकों के अलावा कुछ अनिवासी भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, अब तक करीब 105 नागरिकों के सुरक्षित रूप से भारत लौटने की जानकारी सामने आई है। सीमा क्षेत्र में लगातार खराब मौसम और बाढ़ के कारण राहत एवं बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कई स्थानों पर संपर्क मार्ग और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से यात्रियों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। प्रभावित लोगों के परिजन भी चिंता में हैं। महाराष्ट्र से लापता नागरिकों के कई रिश्तेदार नेपाल की ओर रवाना होने लगे हैं। इस बीच, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए विशेष सहायता कक्ष शुरू किया है। दूतावास और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से फंसे हुए लोगों की जानकारी जुटाने तथा उन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। उमेश झिरपे ने कहा कि प्रभावित तीर्थयात्रियों और नागरिकों की तलाश, बचाव कार्य तथा आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए संबंधित प्रशासन और आपातकालीन एजेंसियां पूरी ताकत से काम कर रही हैं। अत्यंत चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में भी प्राकृतिक संकट का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग में देर रात चरही और बेस रेलवे स्टेशन के बीच रांची से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्घटना की शिकार हो गई। पटरी पर अचानक आई एक लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से ट्रेन टकरा गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बाल-बाल बच गया। जानकारी के मुताबिक हादसा इतना जोरदार था कि टक्कर के बाद ट्रेन को थोड़ा नुकसान हुआ। घटना के तुरंत बाद ट्रेन पायलट ने मुस्तैदी दिखाते हुए गाड़ी को रोक दिया। इसके बाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब 41 मिनट तक दुर्घटनास्थल पर ही खड़ी रही। घटना की जानकारी तुरंत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को दी गई। ट्रेन रुकने के बाद तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेन की जांच की। सुरक्षा मानकों को पूरा करने और रूट क्लियर होने के बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया गया। हादसे के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक-पिकअप की टक्कर, आग लगने से चालक जिंदा जला

झाबुआ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे के पहुंच मार्ग पर शुक्रवार रात ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई जिसमें पिकअप चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात एक ट्रक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पिकअप चालक को वाहन से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। वह वाहन के अंदर ही फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद वहां जाम लगा गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। साथ ही हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती है। सड़क पर एक साथ दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग पर लगातार हादसे होने से क्षेत्रवासियों में चिंता बढ़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

कोई और प्रकाशक ढूंढ लेते, इसमें सरकार को बीच में लाने की क्या जरूरत है?

सोनिया गांधी की किताब को लेकर कांग्रेस के आरोप पर बीजेपी का पलटवार

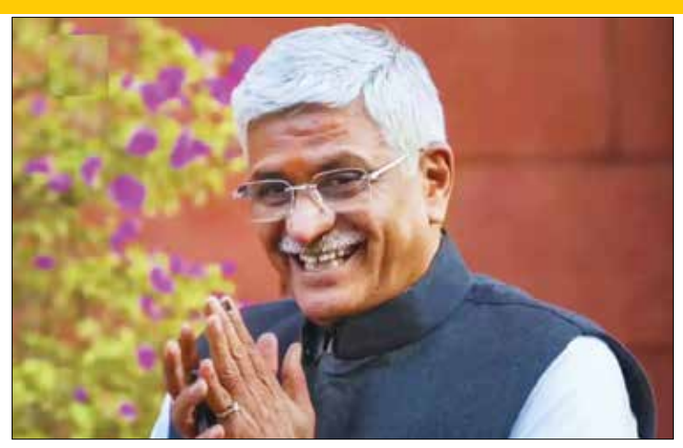

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग से जुड़े विवाद में सरकार पर कांग्रेस के हमलों को लेकर बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह लेखक और प्रकाशक के बीच का विवाद है। सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग को छापने से प्रकाशक कंपनी पेंगुइन इंडिया ने मना कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस ने सरकार पर सवाल उठाए थे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि लेखक और प्रकाशक के बीच में कहीं किसी तरह का अंतरविरोध है। प्रकाशक का अपना प्रॉरोगेटिव है और लेखक का अपना व्यूपॉइंट है। उसको राजनीति में लाने के बजाय किसी और प्रकाशक ढूंढ लेते, इसमें भारत सरकार को बीच में लाने की क्या जरूरत है?
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे सरकार पर दबाव के आरोप क्यों लगा रहे हैं। पेंगुइन इंडिया और रैंडम हाउस इंडिया ने साफ कर दिया है कि यह किताब उनकी नहीं है। अब इसके पीछे क्या मकसद था, यह तो वे या सोनिया गांधी समझ सकती हैं। अपने आधिकारिक बयान में उन्होंने साफ कहा था कि वे कुछ हिस्सों को हटाने की कोशिश कर रहे थे और सोनिया गांधी इससे सहमत नहीं थीं। यह पब्लिशर और लेखक के बीच का विवाद है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसा हुआ है, जब प्रकाशक को कुछ चीजें नहीं छापनी होती हैं तो वह अपनी आपत्ति दर्ज करता है। इसमें सरकार का रोल कहां से आया?
उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को यह देश को बताना चाहिए कि वह विवादित अंश क्या था। क्या उन्होंने अपनी सास के बारे में कुछ लिख दिया था? क्या अपने देवर के बारे में कुछ ऐसी चीजें लिखीं, जो उन्हें नहीं लिखनी चाहिए थीं। या कुछ और बात है, जो पेंगुइन ने कहा है। उन्होंने कहा कि इस पर सोनिया गांधी खामोश हैं। बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि जब भी कोई किताब प्रकाशित होती है, तो वह प्रकाशक और लेखक के बीच के रिश्ते पर आधारित होती है और दोनों की ही मिली-जुली जिम्मेदारी होती है। किताब में दिए गए तथ्यों और कंटेंट के लिए दोनों ही जिम्मेदार होते हैं।
वहीं बिहार सरकार में मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि हमें नहीं पता कि असलियत क्या है। सोनिया गांधी की किताब को लेकर किसने दबाव डाला। पेंगुइन ने क्या किया या क्या नहीं किया। इस पर चर्चा तो हुई है, लेकिन हमें असल बात नहीं पता। बीजेपी नेता टीआर श्रीनिवास ने कहा कि यह सोनिया गांधी की किताब है, जिसे पेंगुइन को प्रकाशित करना था। इसका समय राजनीतिक और गैर-साहित्यिक लगता है। पेंगुइन ने आपत्ति जताई है, क्योंकि जब भी आप कोई किताब प्रकाशित करते हैं, तो उसमें तथ्य सही होने चाहिए।

ममता बनर्जी के पास कोई विचारधारा नहीं : शिवसेना ने साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। शिंदे शिवसेना की प्रवक्ता शाइना एनसी ने टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कड़ा हमला बोला है, यह कहकर कि उनके पास कोई विचारधारा और विजन प्लान नहीं है। ममता के वोट चोरी के आरोपों को खारिज कर शिंदे शिवसेना की प्रवक्ता शाइना ने उन्हें बेबुनियादी आरोप लगाने की बजाय अपने मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दे दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग अपना काम कर रहा है और फर्जी तथा डबल मतदाताओं को हटाना सामान्य एवं आवश्यक प्रक्रिया है। शाइना एनसी ने कहा कि ममता बनर्जी इसतरह के बेबुनियादी आरोप लगाती रहेंगी।
इसके अलावा, एनसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम को भारत के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में लाखों भारतीय रहते हैं और संघ का वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश भारत की विश्व में नेतृत्व क्षमता को दिखाता है। उन्होंने संघ को राष्ट्रवाद और सेवा के लक्ष्य वाला 100 साल पुराना सांस्कृतिक संगठन बताया। नेपाल में आई भीषण त्रासदी पर शिवसेना प्रवक्ता ने भारत की निरंतर मदद को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास लगातार संवाद में हैं, और महाराष्ट्र के नेताओं एकनाथ शिंदे व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य के पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने प्राकृतिक आपदा को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी देखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि भविष्य के लिए हम सावधान रहें। नेपाली प्रधानमंत्री की भारत यात्रा का स्वागत कर शाइना ने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंधों के महत्व को दोहराया और कहा कि वर्तमान में नेपाल की मदद करना सर्वोपरि है।

एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निकाला

-एआईएमआईएम ने तत्काल इस्तीफा देने के दिए निर्देश

हैदराबाद, एजेंसी।
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने शुक्रवार व शनिवार रात यह कार्रवाई करते हुए बेग को तत्काल प्रभाव से विधान परिषद के सभापति को अपना इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिया है।
एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए मिर्जा रहमत बेग के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। पार्टी के संयुक्त सचिव एसए हुसैन अनवर की ओर से बेग को यह निर्देश जारी किया गया। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन कारणों या आरोपों के चलते उन्हें पार्टी से बाहर किया गया है।
2023 में एमएलसी चुने गए थे बेग
मिर्जा रहमत बेग ने वर्ष 2023 में हैदराबाद लोकल अथॉरिटीज सीट से तेलंगाना विधान परिषद का चुनाव जीता था। चुनाव में जीत के बाद वह एआईएमआईएम के प्रतिनिधि के तौर पर विधान परिषद पहुंचे थे। पार्टी के मौजूदा फैसले के बाद अब उनके राजनीतिक भविष्य और विधान परिषद की सदस्यता को लेकर भी स्थिति पर नजर बनी हुई है।
इस्तीफे के निर्देश से बढ़ी सियासी हलचल
एआईएमआईएम की ओर से पार्टी से निष्कासन के साथ ही विधान परिषद के सभापति को इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिए जाने से तेलंगाना की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। पार्टी ने अपने बयान में निष्कासन का कारण नहीं बताया है। ऐसे में कार्रवाई के पीछे की वजह को लेकर फिलहाल आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अचानक चेन्नई सेंट्रल जेल पहुंचे सीएम विजय को देखने पहुंच गई भीड़

थाने में एसएचओ को बैठाकर की पूछताछ, औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अचानक चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल और उसके बाद पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे। मुख्यमंत्री के इस औचक दौरे से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को विजय के काफिले को देखने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग भी जमा हो गए। जेल के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सीधे एम-3 पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से थाने के कामकाज और कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली।
पुझल सेंट्रल जेल देश के बड़े कारागार परिसरों में शामिल है। मुख्यमंत्री विजय ने यहां सबसे पहले महिला जेल परिसर का निरीक्षण किया। इसके बाद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों के वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही बुनियादी सुविधाओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री विजय जेल की रसोई में भी पहुंचे और कैदियों के लिए तैयार किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता तथा साफ-सफाई की जांच की। इसके बाद उन्होंने जेल अस्पताल, क्वारंटाइन क्षेत्र और नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं और कैदियों के स्वास्थ्य से जुड़े इंतजामों की जानकारी अधिकारियों से ली।
जेल परिसर में संचालित कक्षाओं और पुस्तकालय का भी मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कैदियों के लिए पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में किताबें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनमें पढ़ने की आदत विकसित हो। उन्होंने कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थिति भी देखी।
मुख्यमंत्री विजय ने जेल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से कड़े सवाल किए। उन्होंने रिश्वतखोरी, अवैध मोबाइल फोन के इस्तेमाल और नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली। इसके अलावा हिरासत में होने वाली मौतों और कैदियों की आपसी सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों की भी समीक्षा की। जेल के बाद मुख्यमंत्री पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस इंस्पेक्टर से थाने की कार्यप्रणाली और इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सब-इंस्पेक्टर कक्ष, कंप्यूटर रूम और लॉक-अप का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाले आम नागरिकों को जरूरी बुनियादी सुविधाएं मिलें और उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार या अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने कंप्यूटर सिस्टम और सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली तथा उनके रखरखाव की भी जांच की। मुख्यमंत्री के इस अचानक निरीक्षण को पुलिस और जेल प्रशासन की जवाबदेही परखने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है।

एनएएम शिखर सम्मेलन बेलग्रेड में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के मौके पर सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में 31 से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाली उच्चस्तरीय स्मृति बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक एनएएम के पहले राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुखों के सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ का स्मरणोत्सव है। इस बैठक का मुख्य विषय गुटनिरपेक्षता की विरासत- आज की दुनिया के लिए सबक रखा गया है।
भारत, महत्वपूर्ण आंदोलन का एक संस्थापक सदस्य है, और एनएएम के सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता रखता है। यह मंच दुनिया भर के 121 विकासशील देशों को एक साथ लाता है, जो साझा हितों और बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की जड़ें 1955 में इंडोनेशिया के बांडुंग में हुए एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन में हैं, जहाँ संप्रभुता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और उपनिवेशवाद के विरोध जैसे सिद्धांत प्रतिपादित किए गए थे। औपचारिक रूप से यह आंदोलन 1961 में बेलग्रेड में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन में अस्तित्व में आया। आज भी, एनएएम बहुपक्षवाद को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर विकासशील देशों की आवाज को बुलंद करने के लिए कार्यरत है।
यह ध्यान देने योग्य है कि भारत ने एनएएम के विभिन्न मंचों पर आतंकवाद के साझा खतरे से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है। पिछली एनएएम मंत्रिस्तरीय बैठकों में, भारत ने सीमा पार आतंकवाद को गंभीर चुनौती बताया है, जिसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का आह्वान किया गया है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि आतंकवाद को प्रायोजित करने या उसका बचाव करने वाले किसी भी प्रयास की कड़ी निंदा की जानी चाहिए, क्योंकि यह गुटनिरपेक्ष आंदोलन के शांति और सहयोग के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

बीजेपी सांसदों ने की सज्जन कुमार के परिजनों से मुलाकात, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लगा दी फटकार

पणजी, एजेंसी।
नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 3 सांसदों को अपनी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की कड़ी फटकार लगी है। यह फटकार 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में दोषी ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के निधन के बाद उनके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने को लेकर लगी है। इसमें बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया शामिल थे, जिन्होंने सज्जन कुमार के घर जाकर शोक जाहिर किया था।
सज्जन कुमार, जिनका 20 अगस्त को निधन हुआ, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों के कई मामलों में दो उम्रकैद की सजा काट रहे थे। बीजेपी के तीनों सांसदों के कदम पर वरिष्ठ वकील और सामाजिक कार्यकर्ता एच.एस. फुल्का ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि वे तीनों सांसदों के दौरे की कड़ी निंदा करते हैं, और सज्जन कुमार को सामूहिक हत्यारा बताया। फुल्का ने सवाल उठाया कि बीजेपी, जिसने हमेशा दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई का समर्थन किया है, उसके सांसद एक दोषी के परिवार के प्रति सहानुभूति क्यों दिखा रहे हैं, जबकि सहानुभूति पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, सांसदों के कदम की जानकारी पार्टी नेतृत्व को नहीं दी गई थी, इस मामले को राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने बेहद गंभीरता से लिया। शनिवार को उन्होंने इन तीनों सांसदों को तलब कर कड़ी फटकार लगाकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। यह घटना तब हुई है जब पार्टी अपनी सार्वजनिक छवि और सिद्धांतों के प्रति अत्यंत सतर्क है। इस बीच, नवीन ने शनिवार को ही पार्टी नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में युवाओं तक पार्टी की पहुंच बनाने की योजना और उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा गुजरात सहित सात राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

सिंधु जलसंधि: पाकिस्तान की वैश्विक गुहार पर भारत का जबाव....खून और पानी साथ नहीं बह सकते

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिंधु जलसंधि (आईडब्ल्यूटी) को लेकर पाकिस्तान इन दिनों ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में लगा हुआ है। पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने हाल ही में भारत को चेतावनी दी है कि वह संधि के तहत पाकिस्तान को आवंटित पानी से वंचित करने का प्रयास न करे। हालांकि, भारत ने दो टूक कहा है कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते और इस्लामाबाद भारतीय नागरिकों व सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बिना किसी बदले की भावना के डेटा-शेयरिंग की उम्मीद नहीं कर सकता।
भारत सरकार के वरिष्ठ सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि जल सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा आपस में जुड़े हुए हैं। भारत का यह दो टूक जवाब डार के उन दावों के बाद आया है जिसमें उन्होंने आईडब्ल्यूटी को पूरी तरह से वैध, बाध्यकारी और लागू बताया था और संधि को स्थगित करने के भारत के कथित फैसले को खारिज कर दिया था। डार ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान को पानी से वंचित करने के किसी भी प्रयास के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते है।
पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री ने कहा कि 1960 में हस्ताक्षर होने के बाद से सिंधु जलसंधि को अब अपनी सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि यह संधि इसलिए कायम रही क्योंकि दोनों देशों को यह समझ थी कि करोड़ों लोगों का जीवन जिन जल स्रोतों पर निर्भर है, वे राजनीतिक उतार-चढ़ाव का शिकार नहीं बनाए जा सकते। डार ने जलवायु परिवर्तन का हवाला देकर बातचीत, पारदर्शी डेटा साझाकरण और तकनीकी सहयोग बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए जल सुरक्षा को आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग नहीं किया जा सकता। लेकिन भारत ने अपनी स्थिति

स्पष्ट कर दी है, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना जारी रखेगा, तब तक पानी के मुद्दे पर सामान्य सहयोग की अपेक्षा नहीं की जा सकती। यह दर्शाता है कि भारत अब पानी के मुद्दे को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर देख रहा है और पाकिस्तान के वैश्विक दबाव के बावजूद अपने रुख पर कायम है।

प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर हुए रवाना, किर्गिज भी जाएंगे

-व्यापार, निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए। पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले लिखा- मैं 29 अगस्त से 1 सितंबर तक उज्बेकिस्तान और किर्गिज की यात्रा पर जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में काफी प्रगति हुई है। मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने और विकसित भारत और यांगी उज्बेकिस्तान के हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं।
उन्होंने कहा कि मैं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करूंगा, जो हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच के संबंधों का प्रतीक है। यह पीएम मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान पीएम मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है।

दीव में धूमधाम से मनाया गया 10 वर्षों के दौरान हुए अभूतपूर्व विकास का पर्व "10 साल बेमिसाल"

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 29 अगस्त। उल्लेखनीय है कि संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के जनहितैषी सोच एवं प्रभावी मार्गदर्शन में विगत 10 वर्षों के दौरान हुए अभूतपूर्व एवं सर्वांगीण विकास का पर्व दस साल बेमिसाल मनाया जा रहा है और इसके अंतर्गत दीव में अनेक जनकल्याणकारी एवं लोकहितैषी गतिविधियां, शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 28 अगस्त को दीव जिला पंचायत तथा दीव नगरपालिका प्रमुखों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा दीव में व्यापक स्तर पर विभिन्न लोकहितैषी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। साथ ही इस संदेश को प्रसारित करता है कि बेमिसाल 10 वर्ष केवल विकास की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि जनभागीदारी, जनकल्याण और समावेशी विकास के संकल्प को और मजबूत करने का अवसर है।

संघ प्रदेश के चौमुखी विकास के शिल्पकार एवं मार्गदर्शक प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन के अवसर पर संघ प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में हुए अभूतपूर्व विकास को रेखांकित करते हुए एक विशेष कार्यक्रम का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दीव नगरपालिका परिषद के पार्षद व सदस्यों ने नन्हें बच्चों के साथ 28 अगस्त को प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन उत्सव मनाया तथा बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने गीत, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। बच्चों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों से कार्यक्रम का वातावरण उल्लास एवं उमंग से भर गया। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में संघ प्रदेश में हुए अभूतपूर्व एवं चौमुखी विकास, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं बुनियादी ढाँचे, महिला सशक्तिकरण तथा जनकल्याण के क्षेत्रों में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और पहलों का स्मरण किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, सरपंचों तथा विभिन्न निजी संस्थाओं एवं कंपनियों ने सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ जरूरतमंद श्रमिकों एवं कर्मचारियों के बीच आवश्यक खाद्य राशन किट एवं पेयजल की बोतलों का वितरण कर इस विशेष अवसर को जनसेवा से जोड़ा। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सरपंचों द्वारा इस अवसर पर वणाकबारा स्थित सब्जी मंडी एवं विभिन्न पंचायत क्षेत्रों में पेयजल की बोतलों का वितरण किया गया। इसी क्रम में दीव नगरपालिका के अध्यक्ष के करकमलों से पांजरापोल रोड के किनारे कार्यरत श्रमिकों को मेसर्स हरि ओम कंस्ट्रक्शन द्वारा आवश्यक खाद्य राशन किट वितरित किए गए। वणाकबारा में वडलीमाता के समीप स्थित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत श्रमिकों को मेसर्स ज्योति इंफ्राटेक कंपनी द्वारा राशन किट प्रदान किए गए। वहीं मेसर्स डिपाल इलेक्ट्रिकल्स द्वारा श्रमिकों तथा मेसर्स एक्वा हाउसकीपिंग द्वारा अपने कर्मचारियों को आवश्यक खाद्य राशन किट का वितरण किया गया। इसी प्रकार गंगेश्वर प्रवेश द्वार के समीप कार्यरत श्रमिकों को मेसर्स राकेश राजनिकांत पटेल द्वारा तथा ओडीआर एवं एमडीआर मार्ग के किनारे कार्यरत श्रमिकों को मेसर्स आरकेसी इन्फ्राबिल्ट प्राईवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा आवश्यक खाद्य राशन किट वितरित किए गए। वणाकबारा स्थित प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत श्रमिकों को मेसर्स पी. आर. पटेल एंड कंपनी द्वारा तथा नाइडा गुफाओं के समीप कार्यरत श्रमिकों को मेसर्स सर्जन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा राशन किट प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त मेसर्स श्रीजी इंफ्राकॉन द्वारा अपने कर्मचारियों को भी आवश्यक खाद्य राशन किट वितरित किए गए।

पिछले एक दशक में संघ प्रदेश में बुनियादी ढाँचे, पर्यटन, सड़क एवं कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार तथा नागरिक सुविधाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास ने प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति प्रदान की है। इसी विकास यात्रा की उपलब्धियों को जन-जन के साथ साझा करते हुए इस अवसर को जनसेवा और सामाजिक सहभागिता से जोड़ना विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं एवं कंपनियों द्वारा श्रमिकों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए किए गए सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि विकास की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब उसकी खुशियाँ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचें और विकास की यात्रा में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन अवसर पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा केक काटकर हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों ने पूजा एवं हवन कर प्रशासक के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस प्रकार प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और संघ प्रदेश की 10 वर्षों की विकास यात्रा का यह अवसर जनसेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनभागीदारी की भावना के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके सुदीर्घ, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की एवं संघ प्रदेश के विकास और जनकल्याण की यह बेमिसाल यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त की।

भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी से थ्रीडी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महामंत्री तमन्ना मिठाणी ने की शुभेच्छा मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की महामंत्री तमन्ना मिठाणी ने भाजपा मुख्यालय नई दिल्ली में शुभेच्छा मुलाकात की। इस अवसर पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की महामंत्री तमन्ना मिठाणी ने भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी को गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिवादन किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष मोहम्मद अली भी मौजूद रहे।

एफआईए फाउंडेशन ने रेडक्रॉस स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन के छात्रों को बांटे ताजे फल और हाइजीन किट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 29 अगस्त।

10 साल बेमिसाल यानी औद्योगिक प्रगति के एक दशक के विकास के हिस्से के तौर पर, फेडरेशन ऑफ़ इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन सिलवासा के रेड क्रॉस स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन के छात्रों के लिए एक सीएसआर पहल आयोजित की। इस पहल के तहत छात्रों के बीच ताज़े फलों की किट और हाइजीन किट बांटी गईं। हाइजीन किट में टूथपेस्ट, टूथब्रश, साबुन और रूमाल जैसी ज़रूरी पर्सनल-केयर की चीज़ें शामिल थीं। जिनका मकसद बच्चों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और भलाई को बढ़ावा देना था। यह वितरण कार्यक्रम फेडरेशन ऑफ़ इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल शाह और एफआईए के ऑर्गनाइज़िंग सेक्रेटरी परेश गज्जर की मौजूदगी में आयोजित किया गया। सीएसआर प्रोजेक्ट मेंबर विल्सन अजिक ने आयोजन में और जोआना अजिक ने भी इस पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को रेड क्रॉस स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन की प्रिंसिपल डॉ. ज्योति सुर और स्कूल के समर्पित शिक्षकों और स्टाफ़ का भरपूर सहयोग मिला। एफआईए के तहत आने वाले तीन औद्योगिक संघों SIA, DNHIA and SIMA के प्रतिनिधियों ने भी इस गतिविधि में भाग लिया। इस पहल से रेड क्रॉस स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन के लगभग 215 छात्रों को फ़ायदा होगा। एफआईए फाउंडेशन ने सार्थक सीएसआर और सामुदायिक कल्याण की पहल करने के अपने संकल्प को दोहराया, खासकर उन पहलों पर जो स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और समग्र भलाई पर केंद्रित हैं।

पिपरिया इंडस्ट्रीज एस्टेट की दो कंपनियों में लगी भीषण आग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 29 अगस्त। सिलवासा के पिपरिया इंडस्ट्रियल एस्टेट स्थित वीएमएसपी इकोटेक्स प्रा. लि. और वीएमएस इंटरनेशनल में 29 अगस्त की सुबह अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि दोनों कंपनियां लालजी मुलजी ट्रांसपोर्ट के सामने स्थित हैं। आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। आग शॉर्ट सर्किट, मशीनरी या किसी अन्य वजह से लगी, इसकी जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। वहीं, इस घटना के बाद कंपनी में सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार कंपनी परिसर में फायर विभाग की गाड़ी के अंदर जाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। साथ ही आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों और औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा मामले की गंभीरता से जांच कर नियमों का पालन नहीं करने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की जरूरत है।

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

ललित गर्ग

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वातार्कार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की

कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया।

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए।

डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निमार्ता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंततः स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

कानून पढ़ने वाले छात्रों के निशाने पर मुख्य न्यायाधीश?

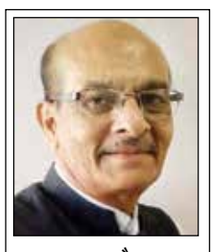

सनत जैन

भारत में न्यायपालिका को लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से देश की जनता केवल कानूनी फैसलों की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि निष्पक्षता, संवेदनशीलता और संविधान के मूल्यों की रक्षा की उम्मीद भी करती है। ऐसे में जब देश के प्रमुख राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी ही मुख्य न्यायाधीश की भूमिका और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठाने लगें, तब इसे केवल एक व्यक्ति के विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह विरोध न्यायपालिका और नई पीढ़ी के बीच पैदा हो रहे विश्वास के संकट का सबसे बड़ा संकेत है। इसी तरह से आम जनता के लिए अलग, सरकार और बड़े-बड़े लोगों के लिए न्यायपालिका की अलग भूमिका को लेकर पिछले कुछ वर्षों में यह विरोध बढ़ता हुआ दिख रहा है। आम लोगों के दिमाग में यह बात घर कर रही है, कि इस देश में दो तरह के कानून लागू हैं। एक अमीरों के लिए और दूसरा गरीबों के लिए। हाल के घटनाक्रम ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। हैदराबाद स्थित नल्सर यूनिवर्सिटी के सैकड़ों विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने पर आपत्ति जताई। विद्यार्थियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से संबंधित मामले की सुनवाई में वीडियो देखने से इनकार किए जाने को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद बेंगलुरु की प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में भी विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश तथा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की प्रस्तावित उपस्थिति पर आपत्ति दर्ज कराई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 165 स्नातक विद्यार्थियों, 409 वर्तमान विद्यार्थियों और 128 पूर्व विद्यार्थियों ने इस संबंध में खुला पत्र जारी कर अपना विरोध दर्ज कराया। अंततः 2026 का दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया गया। यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों को डिग्रियां डाक से भेजना और स्वयं छात्रों को प्रदान करना शुरू कर दिया। यह घटना इसलिए असाधारण है, क्योंकि कानून के विद्यार्थी न्यायपालिका से बाहर के नहीं हैं। उन्हें लंबे समय तक कानून की पढ़ाई कर संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, संवैधानिक संस्थाओं व लोकतंत्र के बारे में ज्ञान अर्जित किया है। यह छात्र न्याय प्रक्रिया को समझने वाले वर्ग के हैं। वे संविधान, मौलिक अधिकार, न्यायिक समीक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक स्वतंत्रता का ज्ञान हासिल किया है। यदि यही विद्यार्थी शांतिपूर्ण और संस्थागत तरीके से किसी न्यायिक पदाधिकारी के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करते हैं, तो लोकतंत्र में इसे सुनना चाहिए, मनन कुमार मिश्रा ने बार काउंसिल की ओर से विरोध को दबाने का जो प्रयास किया था, उनका भी इन छात्रों ने विरोध किया। मुख्य न्यायाधीश की 'कॉकरोच' टिप्पणी पर भी युवाओं के बीच व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। मई में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कुछ ऐसे युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से की थी, जो कानून के पेशे में रोजगार न मिलने के बाद मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्था पर हमला करते हैं। बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया, कि उनकी टिप्पणी फर्जी डिग्री के आधार पर पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी, समूचे भारतीय युवाओं के लिए नहीं। मुख्य न्यायाधीश के इन शब्दों का लोकतंत्र में प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना शब्दों का उद्देश्य।

भयंकर तबाही का आगाज द रही है नेपाल की विनाशकारी आपदा

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, जिससे अब तक सेंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और ग सैकड़ों लोग लापता हैं। यह विनाशकारी आपदा नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जैसे जिलों में मुख्य रूप से भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के उफान पर आने के कारण हुई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, उच्च हिमालयी क्षेत्र (लैंगटांग लिरुंग) में भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के मलबे (एवलांच) के नदी में गिरने से एक अस्थायी बांध बन गया, जिसके अचानक फटने से यह प्रलयकारी बाढ़ आई है। नेपाल के रसुवा जिले जिले में आई विनाशकारी बाढ़ केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में बज रही खतरे की एक गंभीर घंटी है। साथ ही इस विनाशकारी बाढ़ ने एक बार फिर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं को केवल किसी एक देश की प्रशासनिक सीमा के भीतर समझना पर्याप्त नहीं है। नेपाल के बाड़ पूवार्नुमान अधिकारियों के प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि रसुवा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर हुई अत्यधिक वर्षा ही इस आपदा का एकमात्र कारण नहीं थी। तिब्बत की ओर हुई भारी वर्षा और वहां की पर्वतीय भू-आकृतिक गतिविधियों ने भी नदी के अचानक उफान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है। यदि विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन इस संभावना की पुष्टि करते करते हैं, हैं, तो तो यह घटना पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हिमालय केवल पर्वतों की श्रृंखला नहीं, बल्कि एक साझा प्राकृतिक तंत्र है। यहां एक स्थान पर होने वाला भूस्खलन, हिमस्खलन, अत्यधिक वर्षा या किसी प्राकृतिक जलाशय का टूटना कुछ ही घंटों में दूसरे देश के लिए विनाशकारी बाड़ का कारण बन सकता है। इसलिए आपदा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में विकसित करना समय की आवश्यकता है। हिमालय दुनिया के सबसे संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों में गिना जाता है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिमल रहे हैं, हिमपात का स्वरूप बदल रहा है, हिमनदीय झीलों का विस्तार हो रहा है और पर्वतीय ढलानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इन परिवर्तनों के कारण ग्लेशियल लेक आउटवर्ट फ्लड यानी हिमनदीय झीलों के अचानक फटने, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ रहा है। नेपाल की मौजूदा बाढ़ का अंतिम वैज्ञानिक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। इसलिए किसी एक कारण को जल्दबाजी में जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन इस घटना को व्यापक जलवायु संकट से पूरी तरह अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। हिमालयी क्षेत्र में हाल के वर्षों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और हिमनदीय झीलों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। असली चुनौती आपदा से पहले खतरे को पहचानना और लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। हिमालयी क्षेत्रों में सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाएं, पर्यटन ढांचा और सीमा संपर्क आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। स्थानीय आबादी को रोजगार, बेहतर परिवहन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इन परियोजनाओं का महत्व भी असंदिग्ध है। लेकिन हिमालय की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग हैं। यहां विकास करते समय प्रकृति की सीमाओं और भूगर्भीय संवेदनशीलता को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। नदियों के प्राकृतिक मार्ग, बाढ़ के मैदान और अस्थिर ढलान निर्माण के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्र हैं। जब ऐसे इलाकों में अनियोजित तरीके से सड़कें, भवन या अन्य बड़ी संरचनाएं खड़ी होती हैं, तो सामान्य तो सामान्य प्राकृतिक घटना भी बड़ी आपदा का रूप ले सकती है। नेपाल की बाढ़ से जलविद्युत क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। प्रारंभिक रिपोटों के अनुसार करीब 430 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की समस्या नहीं है। यह बताता है कि जलविद्युत परियोजनाओं की योजना बनाते समय जलवायु परिवर्तन, भूकंपीय संवेदनशीलता, बाढ़ और भूस्खलन के संयुक्त जोखिम का आकलन कितना आवश्यक है। नेपाल और तिब्बत के बीच हिमालय कोई अभेद्य दीवार नहीं है। नदियां, बादल, हिमनद और भूस्खलन राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानते। तिब्बत में होने वाली अत्यधिक वर्षा या किसी नदी का अस्थायी रूप से अवरुद्ध होना नेपाल में कुछ ही घंटों के भीतर गंभीर संकट पैदा कर सकता है। इसलिए नेपाल और चीन के बीच वास्तविक समय में वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित भूस्खलन से संबंधित जानकारी साझा करने की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। उपग्रह निगरानी, स्वचालित जलस्तर केंद्र, साझा वैज्ञानिक अध्ययन और तेज चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना आवश्यक है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। हिमालय से निकलने वाली नदियों का प्रवाह अंततः बड़े क्षेत्र को प्रभावित करता है। ऊपरी इलाकों में अचानक बड़ा जलप्रवाह नीचे के क्षेत्रों तक असर डाल सकता है। इसलिए नेपाल, चीन और भारत के के बीच मौसम, नदी प्रवाह और आपदा संबंधी वैज्ञानिक सूचनाओं नाओं का आदान-प्रदान केवल कूटनीतिक सहयोग का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। अचानक बाड़ आने पर पहली प्राथमिकता लोगों को जान बचाना होती है। सेना, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की त्वरित भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहती है। लेकिन पानी उतर जाने के बाद राहत से भी बड़ी चुनौती सामने आती है बेघर परिवारों का पुनर्वास, टूटी सड़कों और पुलों का पुनर्निर्माण, बिजली-पानी की बहाली और स्थानीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना। पुनर्निर्माण का अर्थ केवल टूटी संरचना को उसी स्थान पर उसी रूप में दोबारा खड़ा करना नहीं होना चाहिए। यदि कोई पुल या सड़क बार-बार याद बाढ़ की चपेट में आने वाले इलाके में उसी पुराने डिजाइन के साथ बनाई जाती है, तो अगली आपदा में नुकसान दोहराया जाना तय है। इसीलिए अब बिल्ड बैंक बेटर की सोच अपनानी होगी अर्थात ऐसी अवसंरचना तैयार की जाए जो भविष्य के जलवायु और प्राकृतिक आपदा जोखिमों को ध्यान में रखकर अधिक सुरक्षित और टिकाऊ हो। नेपाल की यह बाड़ केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हिमालय में तेजी से बदलती परिस्थितियों का संकेत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन तापमान और वर्षा के पुराने स्वरूप को बदल रहा है, तो दूसरी ओर अनियोजित निर्माण, वनों पर दबाव और संवेदनशील ढलानों पर बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप जोखिम को बढ़ा रहा है। है। समाधान प्रकृति से से संघर्ष में नहीं, बल्कि प्रकृति की सीमाओं को समझकर विकास की दिशा तय दिशा तय करने में है। नदियों की उनका प्राकृतिक स्थान देना होगा, अस्थिर ढलानों पर निर्माण नियंत्रित करना होगा, हिमनदों और हिमनदीय झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय समुदायों को आपदा से पहले की तैयारी का प्रशिक्षण देना होगा। सबसे जरूरी बदलाव हमारी सोच में होना चाहिए। आपदा प्रबंधन का अर्थ मकेवल हादसे के बाद राहत, मुआवजा और पुनर्निर्माण नहीं है। आधुनिक आपदा प्रबंधन का वास्तविक उद्देश्य आपदा आने से पहले जोखिम पहचानना, समय पर चेतावनी देना और संभावित नुकसान को न्यूनतम करना है। हिमालय बार-बार चेतावनी दे रहा है। अब सवाल यह है कि क्या सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान और समाज इस चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या हर नई त्रासदी के के बाद वही राहत और पुनर्निर्माण का चक्र दोहराया जाता रहेगा। हिमालय हमें सचेत कर रहा है, यदि हमने इसकी चेतावनियों को अनसुना किया, तो आने वाले समय में इसके परिणाम इससे भी अधिक भयानक और विनाशकारी होंगे।

हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे बनीं अस्थायी झीलें कभी भी फट सकती हैं, जिससे निचले इलाकों में अचानक महाविनाश आ सकता है। मानसून के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। अब कम समय में अत्यधिक भारी बारिश (क्लाउडबर्स्ट) होती है, जिसे सोखने में जमीन असमर्थ रहती है। पहाड़ों में बिना सही इंजीनियरिंग के सड़कों और इमारतों का निर्माण भूस्खलन को सीधे न्योता दे रहा है। नेपाल की नदियाँ भारी गाद (मिट्टी) के कारण उथली हो रही हैं, जिससे पानी बहुत जल्दी किनारों को तोड़कर रिहायशी इलाकों में घुस जाता है।

नेपाल की नदियों जैसे कोसी और गंडक का पानी बिहार के मैदानी इलाकों में आता है। नेपाल में मचे इस हाहाकार के बाद भारतीय सीमा से सटे बिहार के कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारत सरकार ने आपदा की गंभीरता को देखते हुए फौरन कदम उठाए हैं। भारतीय वायुसेना के जरिए दवाइयां, टेंट और स्लीपिंग बैग्स समेत 50 टन से अधिक की आपातकालीन राहत सामग्री नेपाल भेजी जा चुकी है।

बाढ़ और भूस्खलन को रोकने के लिए वनों की सुरक्षा, मजबूत तटबंधों का निर्माण और आधुनिक चेतावनी प्रणालियों का उपयोग करना जरूरी है। पहाड़ों की ढलानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को पकड़ कर रखती हैं, जिससे भूस्खलन रुकता है। नदियों के किनारों पर मजबूत बांध या तटबंध बनाएं। नदियों के तल से गाद (रेत और मिट्टी) को समय-समय पर निकालें ताकि पानी का बहाव न रुके। मौसम और भारी बारिश की सटीक जानकारी देने वाले यंत्र लगाएं। खतरे की समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकते हैं।पहाड़ी ढलानों और नदी के पास असुरक्षित निर्माण कार्य पर रोक लगाएं। सड़कों और मकानों को बनाते समय मिट्टी की मजबूती का ध्यान रखें। स्थानीय लोगों को आपदा के समय बचाव के उपाय सिखाएं। सुरक्षित स्थानों और रास्तों की पहचान पहले से करके रखें।

संक्षिप्त समाचार

चीन के सिचुआन प्रांत में लगे भूकंप के झटके

बीजिंग, एजेंसी। भूकंप के झटके बाद नेपाल में फ्लड फ्लैश से मची तबाही के बीच चीन में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। चीन के सिचुआन प्रांत स्थित लॉन्गचांग शहर शुक्रवार को 5.1 तीव्रता का जोरदार भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के तेज झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि लॉन्गचांग शहर में 5.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र लॉन्गचांग शहर बताया जा रहा है। भूकंप के झटके दर्ज किए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर है और प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बता दें कि चीन में भूकंप की खबर ऐसे समय में आई है, जब पड़ोसी देश नेपाल पहले से ही बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। ज्ञात हो कि चीन के सिचुआन प्रांत में पहले भी कई बार भूकंप आ चुके हैं, इसलिए यहां लोग भूकंप को लेकर हमेशा सतर्क रहते हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के झटके से फिलहाल किसी तरह के नुकसान या जनहानि को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे पीएम बालेन शाह, नेपाली वित्त मंत्री का बड़ा ऐलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने गुरुवार को बताया कि पदभार संभालने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे। हालांकि, वागले ने अभी तारीख नहीं बताई, लेकिन वागले ने संकेत दिया है कि अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक रहा तो शाह इस साल के अंत से पहले भारत आ सकते हैं। इस दौरान दौरान स्वर्णिम वागले ने नेपाल की अर्थव्यवस्था को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य, भारतीय और नेपाली रुपये की विनिमय दर, हालिया बाढ़ राहत कार्यों और प्रधानमंत्री बालेन शाह की कार्यशैली पर भी विस्तार से चर्चा की। वागले ने कहा, पदभार ग्रहण करने के बाद बालेन का पूरा ध्यान घरेलू मुद्दों पर ही केंद्रित था। हमारे शुरुआती 100 दिन 100 सूत्री एजेंडे पर केंद्रित रहे, जिसमें हमने खुद को 87.2 प्रतिशत अंक दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद हमने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर चर्चा शुरू की। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी पहली विदेश यात्रा भारत की ही होगी। हालांकि, तारीखों पर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह दौरा इसी साल के अंत से पहले होगा। कार्यक्रम में मौजूद भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस घोषणा को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, नेपाल और भारत के संबंधों की नींव इतनी मजबूत है कि इन्हें पासपोर्ट या सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। अगर आज वागले ने यह स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह की पहली विदेश यात्रा भारत की होगी, तो यह दर्शाता है कि भविष्य में दोनों देशों के रिश्ते किस सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सचमुच एक महत्वपूर्ण संदेश है। गौरतलब है कि नेपाल में इसी साल मार्च महीने में हुए आम चुनाव में बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी जीत हासिल की। जिसके बाद बालेन शाह ने 27 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

कनाडा को चिढ़ाने के चक्कर में फिर ट्रोल हुआ व्हाइट हाउस, उल्टा पड़ा बाज और हंस की फोटो का दांव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव के बीच कनाडा को नीचा दिखाने के लिए एक बाज द्वारा कनाडाई हंस को दबोचने की फोटो पोस्ट की, जिसमें एक अमेरिकी बाज (गंजा बाज) कनाडाई हंस को दबोचे हुए दिख रहा है। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी ताकत का प्रतीक बनाकर शेयर किया, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उल्टा पड़ गया। क्योंकि जिस वीडियो से यह तस्वीर ली गई थी, उसमें अंततः कनाडाई हंस ने ही पलटवार कर बाज को खदेड़ दिया था। दरअसल, व्हाइट हाउस द्वारा शेयर की गई तस्वीर का मकसद यह था कि अमेरिका एक शक्तिशाली बाज की तरह हावी है और कनाडा की बतख हार मान चुकी है। हालांकि, गोवा के एक प्रवासी द्वारा रिकॉर्ड किए गए मूल फुटेज ने इस कहानी का पूरा पासा ही पलट दिया। बर्फ पर करीब 20 मिनट तक चले इस हवाई संघर्ष में कनाडाई बतख ने ऐसा पलटवार किया कि अंततः अमेरिकी गंजे बाज को हार मानकर वहां से उड़ना पड़ा। यह अद्भुत दृश्य 23 फरवरी 2025 को ओंटारियो के बर्लिंगटन में मर्विन सेक्वेरा ने अपने कैमरे में कैद किया था। मूल रूप से गोवा के रहने वाले मर्विन कनाडा बसने के बाद एक उत्साही वन्यजीव फोटोग्राफर बन गए हैं। घटना की जानकारी देते हुए मर्विन सेक्वेरा ने ग्लोबल न्यूज को बताया कि उन्होंने बाज को हंस पर बार-बार हमला करते देखा था।

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ में अपनों की तलाश, फोन की घंटी बजने के इंतजार में कटी परिजनों की रातें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा पर रसुवा जिले में संदिग्ध ग्लेशियर फटने से आई प्रलयंकारी बाढ़ ने एक पवित्र यात्रा को भीषण त्रासदी में बदल दिया है। भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में मलबे व पत्थरों के तेज बहाव से मची तबाही इतनी भयंकर थी कि भूकंपीय मॉनिटरों पर भी कुछ पल के लिए हलचल दर्ज की गई। इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने न केवल स्थानीय लोगों को, बल्कि सात समंदर पार अमेरिका में बसे भारतीय-अमेरिकी परिवारों को भी असहनीय इंतजार और गहरे संकट में धकेल दिया है।

इस हिमालयी तबाही ने नेपाल में कितना नुकसान पहुंचाया है : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) की छठी स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, भोटे कोशी बाढ़ के बाद अब तक 389 शव बरामद किए जा चुके हैं और 977 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में नेपाली सेना, पुलिस व आव्रजन विभाग के 105 सुरक्षाकर्मियों के साथ 517 विदेशी नागरिक और विदेशों में रहने वाले 127 नेपाली शामिल हैं। इस अचानक आई भीषण बाढ़ की आपदा में 73 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और परिवहन से लेकर बिजली व संचार के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची है।

अपनों की तलाश में भटक रहे परिवारों पर क्या गुजर रही है : अमेरिका में रह रहे कई भारतीय-अमेरिकी परिवार इस समय गहरे मानसिक आघात और अपनों की खोज में पल-पल तड़प रहे हैं। न्यूयॉर्क के शशिधरन श्रीधरन की पत्नी रेखा और 14 वर्षीय बेटी राशि कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर बुधवार को नेपाल लौटने वाली थीं, लेकिन तभी यह आपदा आ गई। श्रीधरन ने इसे अपने जीवन के सबसे बुरे 48 घंटे बताया है। इसी तरह वर्जीनिया के ऋत्विक रंगू अपने पिता और डॉ. राधिका शर्मा अपने बुजुर्ग माता-पिता (65 वर्षीय रमेश शर्मा और 64 वर्षीय नीलम शर्मा) की सुरक्षित वापसी के लिए गुहार लगा रही हैं। न्यूयॉर्क में नेपाल के महावाणिज्य दूत दधिराम भंडारी ने बताया कि उन्होंने 25 से अधिक लापता अमेरिकी नागरिकों (जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के हैं) की सूची नेपाल के विदेश मंत्रालय को भेजी है। राहत और बचाव के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं? नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के अनुसार स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है और पूरी सरकारी मशीनरी खोज और बचाव में जुटी है। खोज अभियान में 13,295 सुरक्षाकर्मियों और 15 हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। इनकी मदद से अब तक 1,976 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। नेपाल सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के राहत कार्य के लिए तत्काल 2.5 करोड़ नेपाली रुपये (एनपीआर) भेजे हैं। इसके साथ ही, नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रभावित विदेशियों की मदद और समन्वय के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष (ईसीआर) स्थापित किया है। लापता भारतीयों की तलाश और सामाजिक संगठनों की क्या भूमिका है? भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, अब तक 84 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। इनमें त्रिशूली-द्ध परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय कर्मचारी और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस संकट में जयपुर फुट यूएसए जैसे संगठनों के नेता प्रेम भंडारी ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं, अध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि ने न्यूयॉर्क में राहत कार्यों की समीक्षा की और नेपाल को सहायता की पेशकश के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता की सराहना की। यह त्रासदी दिखाती है कि प्रकृति के रौद्र रूप के सामने मानवीय तंत्र कितने लाचार हो जाते हैं। फिलहाल, भारत, अमेरिका और नेपाल की सरकारें प्रभावितों तक पहुंचने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। मलबे के बीच अपनों को सुरक्षित ढूंढने की यह जंग जारी है, और उनके परिवार इस उम्मीद में फोन थामे बैठे हैं कि जल्द ही कोई अच्छी खबर मिलेगी।

नेपाल की बाढ़ के बीच चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर उठे सवाल, वायरल वीडियो ने खोली पोल : काठमांडू, बीजिंग, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बीच चीन द्वारा बनाए जा रहे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बाढ़ से ठीक कुछ दिन पहले सामने आए एक ब्लॉगर के वीडियो ने इन परियोजनाओं की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल, नेपाल में आई भयानक बाढ़ आने से कुछ दिन पहले, एक ब्लॉगर ने नेपाल की तरफ़ बन रहे चीन के बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का वीडियो बनाया था। व्लॉगर ने नेपाल की ओर निर्माणाधीन विशाल चीनी जलविद्युत परियोजनाओं का दस्तावेजीकरण किया था।

यूएन में भारत की दो-टूक: यूएन 80 पहल में विकास सर्वोच्च प्राथमिकता हो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरिष परवथानेनी ने बुधवार को यूएनडीपी प्रशासक के साथ संवाद किया। उन्होंने यूएनडीपी/ यूएनएफपीए/ यूएनओपीएस कार्यकारी बोर्ड के दूसरे सत्र को संबोधित किया। परवथानेनी ने कहा कि भारत यूएन80 पहल में विकास स्तंभ को सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है। भारत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की संरचनाओं, कार्यबल और संचालन मॉडल को वर्तमान वास्तविकताओं के साथ संरेखित करने का समर्थन करता है। उन्होंने मौजूदा प्रणालियों में अनावश्यक बदलावों के प्रति आगाह किया। परवथानेनी ने कहा, हमें ऐसी चीज को ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जो खराब नहीं है। भारत ने राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों के महत्व पर जोर दिया। भारत का तर्क है कि समाधान बाहर से थोपे नहीं जाने चाहिए।

राष्ट्रीय प्राथमिकताएं और बहुपक्षीय सहायता : भारत समग्र, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक वृद्धि मॉडल का पक्षधर है। यह राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों पर केंद्रित है। भारत मानता है कि समाधान बाहर से तय नहीं होने चाहिए। इसके बजाय, उन्हें सदस्य देशों द्वारा पेश किया जाना चाहिए और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, क्षमताओं व परिस्थितियों से प्रेरित होना चाहिए। परवथानेनी ने जोर दिया कि साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं का सम्मान हो। बहुपक्षीय सहायता उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप रहनी चाहिए।

यूएनडीपी के साथ भारत का सहयोग : भारतीय राजदूत ने यूएनडीपी के साथ भारत के सहयोग को रेखांकित किया। भारत इंडिया-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) कोष के माध्यम से संगठन के साथ काम कर रहा है। इन कोषों से भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और जलवायु लचीलेपन के लिए 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक दिए हैं। सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) और छोटे द्वीप विकासशील देशों (एसआईडीएस) पर विशेष ध्यान है। ये पहल दक्षिण-दक्षिण सहयोग को दर्शाती हैं। यह विकासशील देशों को ज्ञान साझा करने, क्षमताएं जोड़ने, संसाधन जुटाने और बेहतर शर्तों पर पूंजी पाने में मदद करता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली के वित्तपोषण पर चिंता व्यक्त की, खासकर मुख्य वित्तपोषण में गिरावट पर। पारवथानेनी ने यूएनडीपी के लिए भारत की लगातार मुख्य योगदानकर्ता की भूमिका दोहराई।

रूसी बमबारी से दहली यूक्रेन की अर्थव्यवस्था

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए विनाशकारी आर्थिक मोर्चे पर पहुंच गया है। गुरुवार सुबह राजधानी कीव समेत नौ यूक्रेनी शहरों पर रूस ने मिसाइलों और ड्रोन की भीषण बारिश कर दी। साढ़े चार साल से जारी इस युद्ध में यह हमला न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर, बल्कि यूक्रेन के निजी व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के इरादे से किया गया था। इस हमले में आम नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ यूक्रेन की बिजली प्रणालियों, अनाज निर्यात बंदरगाहों और बड़े व्यापारिक गोदामों को भारी क्षति पहुंची है। रूस अब यूक्रेन के आर्थिक तंत्र को सीधी चोट पहुंचाने की नीति पर काम कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे तेल रिफाइनरियों, लॉजिस्टिक्स हब और बंदरगाहों जैसे सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर कार्रवाई बताया। लेकिन असल चोट यूक्रेन के निजी व्यापार को लगी है। रूसी ड्रोन हमलों ने तीन बड़े वितरण केंद्रों को निशाना बनाकर खिलौनों की एक स्टोर चेन और एक चॉकलेट कंपनी के विशाल गोदामों को तबाह कर दिया, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर का डिपो क्षतिग्रस्त हो गया। दरअसल, यूक्रेन के हालिया लंबी दूरी के ड्रोन हमलों से रूस को वित्तीय मुश्किलें हुई थीं, जिससे नाराज होकर रूस ने यूक्रेनी निजी उद्योगों पर यह हमला किया है। यूक्रेनी सेना ने भी रूस के आर्थिक हितों पर सीधे हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन लगभग हर रात रूसी सीमा के भीतर सैकड़ों लंबी दूरी के ड्रोन दाग रहा है। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज के गोदामों को तबाह करने के बाद यूक्रेनी ड्रोनों ने रूस की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेलर कंपनी ओजोन को अपना निशाना बनाया है। ओजोन के उफा स्थित लॉजिस्टिक्स केंद्र पर सीधा हमला किया गया, जबकि ऑरेनबर्ग सुविधा को सतर्कता चेतावनी के बाद खाली कराना पड़ा। उधर, रूसी हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन के 267 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है। इस बमबारी ने यूक्रेन के नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। ओडेसा के बंदरगाह क्षेत्र में हुए सात घंटे लंबे हमले में एक विशाल अनाज गोदाम (ग्रेन एलीवेटर) क्षतिग्रस्त हो गया, जो यूक्रेन के अनाज निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भीषण ठंड से पहले बिजली ग्रिड को ठप करने की नीयत से दागे गए चार ग्लाइड बमों ने खेरसॉन के एक प्रमुख संयंत्र के जनरेटरों को नष्ट कर दिया, जिससे नाफ्तोगाज को प्लांट बंद करना पड़ा।

ट्रंप के डाक मतदान पर संकट: अमेरिकी कोर्ट ने आदेश पर फिर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय न्यायाधीश ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश को लागू करने की कोशिशों पर रोक लगा दी। इस आदेश में डाक मतदाता को सीमित किया गया था। इस कदम ने उस आदेश को दूसरी बार रोक दिया। यह सब तब हुआ जब मध्यावधि चुनावों के लिए पहला डाक बैलेट भेजे जाने में बस एक हफ्ता ही बचा था। अमेरिकी जिला अदालत की न्यायाधीश इंदिरा तलवानी ने सरकार को दो हफ्ते तक इस आदेश को लागू करने से रोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट में क्यों अपील किया जा सकता है: इस मामले को जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए वापस भेजा जा सकता है, क्योंकि कुछ ही दिन पहले न्यायाधीशों ने एक प्रक्रियात्मक निर्णय सुनाते हुए तलवानी के उस पूर्व के फैसले को रद्द कर दिया था जिसने ट्रंप के आदेश को प्रभावी होने से रोक दिया था।

हाई कोर्ट ने पहले फैसला क्यों नही सुनाया : गुरुवार को आया यह फैसला डेमोक्रेट्स और

मतदान अधिकार समूहों ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करने के लिए अपने मुकदमों को फिर से दायर किया। उच्च न्यायालय के रूढ़िवादी बहुमत ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश की वैधता पर फैसला नहीं सुनाया, बल्कि यह कहा कि इसके खिलाफ कानूनी चुनौतियां हैं। जिनके कारण तलवानी ने शुरू में इसे रोक दिया था। इसे बहुत जल्दबाजी में दायर की गई थीं। नए औपचारिक नियम में क्या है? अब प्रशासन ने एक औपचारिक नियम जारी किया है, जो यह तय करेगा कि क्या अमेरिका डाक सेवा राज्यों के मेल बैलेट पहुंचाएगी या नहीं। इससे कानूनी लड़ाई फिर से शुरू हो गई है। उतार-चढ़ाव भरी इस कानूनी लड़ाई का मध्यावधि चुनावों पर बड़ा असर पड़ेगा। लगभग एक-तिहाई अमेरिकी डाक से वोट करते हैं। वहीं, चुनाव अधिकारियों का कहना है कि डाक सेवा के नए निर्देशों के मुताबिक अपने सिस्टम में बदलाव करने के लिए उनके पास पर्याप्त समय नहीं है। डाक सेवा का कहना है कि वह डाक मतपत्रों तब तक डिलीवर नहीं करेगी, जब तक राज्य उन मतदाताओं की सूची नहीं देते, जिन्हें ये बैलेट मिलने चाहिए और लिफाफों को एक खास तरीके से तैयार नहीं करते। तलवानी ने गुरुवार को लिखा, मुकदमा करने वाले राज्यों के पास मिडटर्म चुनाव से पहले नए मेल बैलेट डिजाइन करने, नए डिजाइनों को मंजूरी दिलाने, मेल बैलेट के उत्पादन का ऑर्डर देने। अपने चुनाव प्रबंधन सिस्टम को अपडेट करने, यूएसपीएस पोर्टल का इस्तेमाल करने के लिए चुनाव अधिकारियों को ट्रेनिंग देने और पोर्टल पर नागरिकों का डेटा अपलोड करने के लिए न तो समय है और न ही फंड। इस मामले की सुनवाई 3 सितंबर को होनी है। डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह का क्या कहना है? डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह इस मांग को असंवैधानिक बताते हैं। उनका कहना है कि संविधान राज्यों और कुछ मामलों में कांग्रेस को चुनाव नियम बनाने का अधिकार देता है, न कि राष्ट्रपति या डाक सेवा को। इसी तर्क के आधार पर अदालतों ने ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश को रोक दिया था, जो पिछले साल जारी किया गया था और जिसमें चुनाव प्रक्रियाओं को बदलने की मांग की गई थी, जैसे कि पंजीकरण के लिए नागरिकता के दस्तावेजी प्रमाण की आवश्यकता। राष्ट्रपति लंबे समय से डाक मतदान को निशाना बनाते रहे हैं, जिसके लिए वे झूठा आरोप लगाते हैं कि उन्हें 2020 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन द्वारा 2025 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में पाया गया कि डाक द्वारा डाले गए प्रत्येक 10 मिलियन मतपत्रों में से केवल लगभग चार मामलों में ही धोखाधड़ी हुई थी।

भारत-कनाडा बातचीत: द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी, 2030 तक 4.65 लाख करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030

तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। यह महत्वपूर्ण कदम मार्च 2026 में नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक की प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 के अंत तक कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) वार्ता को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। वित्त मंत्रियों- निर्मला सीतारमण और फ्रांसिस-फिलिप शैम्पेन ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और अपनी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा की। वार्ता में भारतीय बाजार में कनाडाई पेंशन फंडों की बड़ी मौजूदगी को रेखांकित किया गया और वित्तीय संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाने पर बात हुई। दोनों पक्षों ने निवेशकों के लिए स्थिर और निश्चित घरेलू कर कानूनों की आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना। संवाद में भुगतान प्रणालियों के आधुनिकीकरण, वित्तीय स्थिरता, फिनटेक इनोवेशन और वित्तीय अपराधों से निपटने पर सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें सबसे बड़ा कदम कनाडा में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के विस्तार का स्वागत करना है। इसके लिए स्थानीय भुगतान सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी की जाएगी, जिससे सीमा पार प्रेषण (रेमिटेंस) तेज और सस्ता होगा। इसका लाभ दोनों देशों के बीच पर्यटन, शिक्षा, व्यापार और छोटे व मध्यम स्तर के उद्यमों (एमएसएमई) को मिलेगा।

व्हाइट हाउस में निर्माण बना सुरक्षा में रोड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलीकॉप्टर मरीन वन और एक यात्री विमान के बीच इस महीने हुई करीबी घटना में व्हाइट हाउस में चल रहे निर्माण कार्य की भूमिका सामने आई है। संघीय जांचकर्ताओं के मुताबिक, निर्माण के कारण मरीन वन के रेडियो संचार में दिक्कत आ गई थी। इसी वजह से एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने से तीन मिनट पहले दी जाने वाली जरूरी चेतावनी नहीं सुन पाए। इसके बाद उन्होंने एक यात्री विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी। यह घटना 4 अगस्त को वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास हुई थी। उस समय ट्रंप को लेकर मरीन वन उड़ान भरने वाला था और दूसरी तरफ एनवॉय एयर का एक यात्री विमान टेकऑफ के लिए तैयार था। दोनों विमान कुछ समय के लिए काफी करीब आ गए थे। मामले में ह्ज्ञस्क्ककी जांच अभी जारी है और मौजूदा रिपोर्ट को प्रारंभिक रिपोर्ट माना जा रहा है।

पहले से सामने आ चुकी थी रेडियो की समस्या : राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना से करीब एक सप्ताह पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और मरीन वन के पायलटों के बीच बैठक हुई थी। इसमें पायलटों ने बताया था कि उड़ान से पहले दी जाने वाली सामान्य तीन मिनट की चेतावनी कंट्रोल टावर तक नहीं पहुंच रही थी। दोनों पक्षों ने तय किया था कि अगर रेडियो संपर्क में दोबारा समस्या आई तो किसी दूसरे व्यक्ति या स्थान के जरिए यह संदेश कंट्रोलरों तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन 4 अगस्त को यह वैकल्पिक व्यवस्था भी काम नहीं कर सकी। मरीन वन के पायलटों ने तीन मिनट पहले उड़ान की सूचना देने की कोशिश की थी, लेकिन रीगन एयरपोर्ट के कंट्रोलरों ने वह संदेश नहीं सुना।

कंट्रोलर को नहीं मिली जानकारी, यात्री विमान को मिली उड़ान की अनुमति : मरीन वन के पायलट ने रेडियो पर बताया था कि हेलीकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। लेकिन एयरपोर्ट के आधिकारिक कंट्रोल रिकॉर्डिंग में यह चेतावनी दर्ज नहीं हुई। इसके चलते कंट्रोलर को यह पता नहीं था कि राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने वाला है। इसलिए उन्होंने यात्री विमान को टेकऑफ की अनुमति दे दी। कुछ ही देर बाद कंट्रोलर को पता चला कि मरीन वन भी उड़ान भर रहा है। उन्होंने हेलीकॉप्टर के पायलट को यात्री विमान के बारे में चेतावनी दी। मरीन वन के पायलटों ने भी विमान को देख लिया और सुरक्षित दूरी बनने तक कुछ समय के लिए अपनी उड़ान रोक दी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, दोनों विमान अपने सबसे नजदीकी बिंदु पर करीब 0.8 मील (1.3 किलोमीटर) की क्षैतिज दूरी और लगभग 700 फीट (215 मीटर) की ऊंचाई के अंतर पर थे। यात्री विमान के चालक दल को उड़ान भरने के तुरंत बाद अपने विमान के टकराव-रोधी सिस्टम से चेतावनी मिली थी। हालांकि, चालक दल ने हेलीकॉप्टर को अपनी आंखों से नहीं देखा।

ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता: कैरोलिन लेविट की उत्तराधिकारी को सलाह, व्हाइट हाउस प्रवक्ता पद से विदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की निवर्तमान व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने आखिरी दिन अपने काम की व्यस्तता का जिक्र करते हुए कहा कि टेलीविजन पर दिखाई देने वाली प्रेस ब्रीफिंग उनके काम का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 90 प्रतिशत काम पत्रकारों के फोन कॉल का जवाब देने में जाता है। लेविट ने कहा, लोग यह नहीं समझते कि इस नौकरी में ब्रीफिंग और टीवी पर मैंने जो किया, वह 10 प्रतिशत है। 90 प्रतिशत काम सुबह पांच बजे और रात 11 बजे तक आपके सभी फोन कॉल लेने का है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस हिस्से की कमी महसूस नहीं होगी, लेकिन पत्रकारों के साथ रोजाना काम करने की याद आएगी।

लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को क्या दी सलाह : इस दौरान कैरोलिन लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को सलाह देते हुए कहा कि इस पद पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता हैं। लेविट ने आगे कहा कि व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चिउंग और वह अक्सर मजाक करते थे कि ट्रंप ही व्हाइट हाउस के असल कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रेस सेक्रेटरी हैं। कैरोलिन लेविट ने 27 अगस्त को व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में अपना आखिरी दिन पूरा किया। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इस पद पर रहने वाली सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव थीं। उन्होंने परिवार और अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, वह ट्रंप के बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की जमकर तारीफ : कैरोलिन लेविट इस पद पर रहने वाली 36वीं प्रेस सचिव थीं। लेविट ने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति का मजबूती से

बचाव किया। व्हाइट हाउस ने उनके कार्यकाल के कई चर्चित पलों को याद करते हुए उनकी पत्रकारों के साथ तीखी बहस और सरकार की नीतियों के बचाव का जिक्र किया। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने लेविट को व्हाइट हाउस प्रेस सचिवों के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया।

पत्रकारों से तीखे सवाल-जवाब : लेविट कई बार पत्रकारों के साथ तीखे सवाल-जवाब को लेकर चर्चा में रहीं। एक मौके पर उन्होंने एक पत्रकार से कहा, आप लेफ्ट-विंग हैक हैं। आप पत्रकार नहीं हैं। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, क्या बेवकूफी भरा सवाल है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीति का भी बचाव किया और अवैध तरीके से अमेरिकी कानून तोड़ने वाले प्रवासियों को अपराधी बताया। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को लेकर उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी सैनिकों के मुद्दे पर उन्हें भाषण देने की जरूरत नहीं है।

फ्रांस और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर भी दिया था बयान : विदेश नीति के मुद्दों पर भी लेविट के बयान चर्चा में रहे। फ्रांस के एक राजनेता की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से जुड़ी टिप्पणी पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि आज फ्रांस के लोग जर्मन भाषा नहीं बोल रहे हैं तो इसकी वजह अमेरिका है। उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप भी लगाया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले अमेरिकी शहरों में अपराध को लेकर भी उन्होंने बयान दिए। लेविट ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के स्वास्थ्य और उनकी काम करने की क्षमता को लेकर भी पूर्व प्रशासन और मीडिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इसे अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े कवरअप और राजनीतिक घोटालों में से एक बताया था।

ट्रंप पर हमले के बाद टाली थी मैटरनिटी लीव : लेविट ने ट्रंप पर हुए हत्या के प्रयास के बाद अपनी मैटरनिटी लीव भी कुछ समय के लिए टाल दी थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगा था कि वह आखिरी बार सवालों का जवाब दे रही हैं, लेकिन राष्ट्रपति पर हमले के बाद उन्हें लगा कि प्रेस के सवालों का जवाब देने के लिए व्हाइट हाउस में रहना जरूरी है। अपने कार्यकाल में लेविट ने नए मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को भी व्हाइट हाउस ब्रीफिंग रूम में जगह दी। उन्होंने कहा था कि ट्रंप का संदेश हर जगह पहुंचाना उनकी टीम के लिए जरूरी है। इस बीच ट्रंप ने नए प्रेस सचिव को लेकर एक संभावित नाम की ओर इशारा किया है। हाल ही में फॉक्स न्यूज की संवाददाता एलेक्सिस मैकएडम्स ने ट्रंप से पूछा कि लेविट की जगह कौन ले सकता है। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में मैकएडम्स से ही पूछा, आप? इसके बाद उन्होंने कहा, आप कैसी रहेंगी? ट्रंप ने मैकएडम्स के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें वह हमेशा पसंद रही हैं।

15 हजार रुपये मिले थे, मैंने पूरी रकम खर्च कर दी

टी20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय कप्तान ने सुनाया संघर्ष भरा किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव इस समय अपने करियर के एक अलग दौर से गुजर रहे हैं। 2026 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान को अब भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, सूर्यकुमार ने वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी पहली कमाई और क्रिकेट के शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद किया।

सूर्यकुमार ने बताया कि मुंबई की अंडर-15 टीम के साथ अपने पहले दौरे के दौरान उन्हें पूरे सीजन के लिए सिर्फ 15,000 रुपये मिले थे। उस समय उनके पास किसी कंपनी का बैट स्पॉन्सर भी नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में लगा दी थी।

सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि जब मैंने पहली बार मुंबई के लिए अंडर-15 क्रिकेट खेला था, तब मुझे 15,000 रुपये मिले थे। यह पूरे दौरे के लिए थे। मैंने शायद पूरी रकम खर्च कर दी थी। उस समय मेरे पास बैट का कोई स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए मैं अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में खर्च करता था।' उनका यह बयान बताता है कि भारतीय क्रिकेट के मौजूदा स्टार ने अपने शुरुआती दिनों में किस तरह सीमित संसाधनों के बीच क्रिकेट का सफर तय किया।

वर्ल्ड कप जिताने के बाद टीम से बाहर

सूर्यकुमार ने 2026 में भारत की कप्तानी करते हुए टीम को टी20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया था। यह भारत का तीसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब था और लगातार दूसरा खिताब भी था। इससे पहले भारत ने 2007 में एमएस धोनी और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, वर्ल्ड कप जीतने के कुछ ही महीनों बाद सूर्यकुमार को भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया। चयनकर्ताओं ने अगले दो साल के चक्र को ध्यान में रखते हुए टीम में बदलाव का फैसला किया और श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी दी।

खराब फॉर्म बनी बड़ी वजह

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता की कमी भी चयनकर्ताओं के फैसले की एक वजह मानी गई। 2026 के आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसके बावजूद सूर्यकुमार का कहना है कि वह भारतीय टीम में वापसी के लिए अपनी तरफ से पूरी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने वापसी के सवाल पर कहा, 'देखिए, मैं पूरी मेहनत कर रहा हूं और वह सब कुछ कर रहा हूं जो मैं कर सकता हूं। अगर चीजें अच्छी होती हैं, तो सब कुछ अपने आप सही जगह पर आ जाएगा।'

ईशान भैया को नहीं पता था कि मैं विकेट टेकर हूं

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रनों से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है. इस बड़ी जीत में टीम के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला भले ही खामोश रहा, लेकिन उन्होंने अपनी फिरकी से 2 अहम विकेट झटककर महफिल लूट ली. मैच के बाद इस युवा स्टार ने अपनी घातक गेंदबाजी के राज से पर्दा उठाया और बताया कि आखिर किस मास्टर प्लान के तहत उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया. वैभव सूर्यवंशी को फैन्स विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानते हैं. ऐसे में इस युवा खिलाड़ी ने गेंद से कमाल का प्रदर्शन कर सभी को हैरान कर दिया.

दरअसल, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए मैच में जब ईस्ट जोन के गेंदबाजों को विकेट निकालने में संघर्ष करना पड़ रहा था, तब कप्तान ईशान किशन ने वैभव को गेंद थमाई. ईशान को लग रहा था कि यह एक रिस्क है, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर वैभव ने सिर्फ 3 ओवर में 11 रन देकर 2 अहम विकेट चटका दिए और अपने कप्तान को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया. बीसीसीआई डोमेस्टिक द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में अपनी इस शानदार गेंदबाजी पर बात करते हुए वैभव ने मजेदार खुलासा किया. उन्होंने कहा कि अगर आप किसी भी बल्लेबाज से पूछें तो उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है. विरोधी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए मुझे 2-3 ओवर फेंकने को कहा गया.

51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। जोआन हिक्स को क्रिकेट करियर शुरू करने में लगभग आधी सदी लग गई। उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया। चार साल बाद 51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की इस क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया। वह 90 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी बन गईं। ग्रीस की महिला टीम के खिलाफ दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर हिक्स ने तीसरी बार टी20 इंटरनेशनल में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 10 रन देकर पांच विकेट लेकर करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। हिक्स घातक गेंदबाजी के कारण ग्रीस 15 ओवर में 52 रन सिमट गई। आइल ऑफ मैन ने पावरप्ले में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 51 साल और 173 दिन की उम्र में, हिक्स इंटरनेशनल क्रिकेट (पुरुष या महिला) में 50 साल की उम्र के बाद पांच विकेट लेने वाले पहले बॉलर बन गईं। हिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर का 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गईं। लेफ्ट आर्म स्पिनर आयरनमोंगर ने 1932 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 49 साल और 314 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इत्तेफाक से, उन्होंने दोनों पारियों में पांच विकेट लिए थे। पहली पारी में 6 रन देकर पांच विकेट और दूसरी पारी में 18 रन देकर छह विकेट झटके। प्रोटियाज टीम एक पारी से हारी थी। वह ऑस्ट्रेलिया के 153 रन के जवाब में 36 और 45 रन पर आउट हो गई थी।

नीरज चोपड़ा को लगी टखने की चोट

एशियन गेम्स से हुए बाहर, डायमंड लीग फाइनल और वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 2026 के बाकी सीजन में प्रतिस्पर्धा करते नजर नहीं आएंगे। ट्रेनिंग के दौरान टखने में लिगामेंट फटने के बाद दो बार के ओलंपिक पदक विजेता को अगले महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स से भी बाहर होना पड़ा है। चोट के कारण वह डायमंड लीग फाइनल और पहली बार आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

ट्रेनिंग के दौरान लगी चोट

नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने अकाउंट पर पोस्ट कर चोट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद उन्होंने 2026 सीजन के बाकी हिस्से से हटने का फैसला किया है। नीरज ने लिखा, 'कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार मुझे वह लय मिलती महसूस हो रही थी, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद मुझे लगा कि मेरी गति वापस आ रही है। दुर्भाग्य से, इसके कुछ समय बाद ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने में लिगामेंट फट गया। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सीजन के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा।'

डायमंड लीग फाइनल से बाहर

इस चोट का सीधा असर नीरज के आगामी बड़े मुकाबलों पर पड़ा है। वह 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके अलावा 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में होने वाली पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप भी वह मिस करेंगे।नीरज के लिए सबसे बड़ा झटका अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स से बाहर होना है। वह इस प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक की बड़ी उम्मीद माने जा रहे थे।2026 का सीजन नीरज चोपड़ा के लिए पहले से ही मुश्किल रहा था। सितंबर 2025 से परेशान कर रही लोअर बैक इंजरी के कारण उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी जून तक टल गई थी। वापसी के बाद भी वह पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपनी लय हासिल करने के संकेत दिए।

मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं मिला

मारिजाने कैप की आलोचना पर अनाया बांगर ने तोड़ी चुप्पी, दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप की आलोचना पर जवाब दिया है। कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनाया को ऑस्ट्रेलिया में महिला घरेलू क्रिकेट के रास्ते के लिए मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए इस फैसले को गलत बताया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया को तत्काल प्रभाव से कम्युनिटी और प्रीमियर क्रिकेट खेलने के लिए पात्र माना है। हालांकि, यह मंजूरी अपने आप में किसी टीम में चयन की गारंटी नहीं है। उन्हें क्लब स्तर पर प्रदर्शन के जरिए आगे के अवसर हासिल करने होंगे।

पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए

कैप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अनाया ने कहा कि इस मुद्दे पर आपत्ति जताने वाले लोगों को पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'जो लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते हैं, उन्हें वास्तव में पहले इस विषय के बारे में खुद को शिक्षित करना चाहिए।' अनाया ने आगे कहा, 'मैंने पहले ही यह जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है कि मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं है और मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रही हूं।'

जैस्मिन: कड़ी मेहनत के बल पर बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है। जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं। भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी। इसलिए उन्होंने लड़कों के साथ प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी तकनीक और आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

प्रतिभा का लोहा मनवाया

जैस्मिन ने 2021 में दुबई में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसी वर्ष एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रजत पदक और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा लाइटवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अस्ताना में 2025 में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप में जैस्मिन ने गोल्ड मेडल जीत वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सबसे हालिया सफलता है। 25 साल की हो रही जैस्मिन से एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक की उम्मीद है।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना लक्ष्य: आशी

भोपाल, एजेंसी। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं। अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है। अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, 'एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए।

एशियन गेम्स तक के सफर में कड़ी ट्रेनिंग शामिल थी, जिसके दौरान भारतीय शूटिंग टीम ने भोपाल में इंटेंसिव कैंप में हिस्सा लिया। शुरुआती कैंप में कई मैच और फाइनल सिमुलेशन के साथ-साथ लंबे शूटिंग सेशन भी शामिल थे, जिनका मकसद एथलीटों की सहनशक्ति और निरंतरता को परखना था। आशी ने कहा, 'हम तैयारी में बहुत मेहनत और कोशिश कर रहे थे। इस कैंप की रणनीति मैच और फाइनल आयोजित करने की थी। हमने लगभग तीन-चार मैच और तीन-चार फाइनल खेले, जो 10 दिन के कैंप में बहुत अधिक हैं। मैच खेलना बहुत इंटेंस होता है, भले ही वह सिर्फ 60-शॉट का मैच हो। हमने 120-शॉट का मैच भी खेला, जो किसी प्रोग्राम में नहीं होता, लेकिन हमने इसे लंबे समय तक सहनशक्ति और स्थिरता की जांच करने के लिए किया, ' शूटिंग टीम ने स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम किया है।

इमरान खान भ्रष्ट नहीं, उन्हें रिहा किया जाए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी जावेद मियांदाद अपने साथी क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में बात करते हुए रो पड़े, जो जेल में बंद हैं। 1975 और 1996 के बीच छह वर्ल्ड कप खेलने वाले मियांदाद ने कहा कि इमरान खान भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें ईमानदार बताते हुए उनकी रिहाई की गुहार लगाई। 2018 और 2022 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद 2023 में जेल भेजा गया था।मियांदाद ने इमरान खान को लेकर नैरेटिव यूट्यूब चैनल पर कहा, 'वह एक ईमानदार आदमी है। वह कोई ऐसे इंसान नहीं हैं जो भ्रष्ट काम करता हो, वरना उन्होंने बहुत कुछ किया होता। अगर आप उन्हें बाहर निकाल देंगे तो क्या होगा? क्या वह किसी को खाएंगे या नुकसान पहुंचाएंगे? वह भी किसी के बेटे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि वह क्या कर रहे होंगे।'

इमरान खान के मेडिलक जांच के बाद मियांदाद का आया बयान

69 साल के जावेद मियांदाद का बयान इमरान खान के इस्लामाबाद में मेडिकल जांच के तुरंत बाद आया, जिसके बाद उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। इमरान खान की पार्टी ने मेडिकल जांच के तरीके पर सवाल उठाया। उसने कहा कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में ट्रांसफर करने और उनके निजी डॉक्टर समेत डॉक्टरों की एक टीम की मौजूदगी की इजाजत दी थी।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन टीम में नजर आएंगे गुरनूर बरार

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को रविवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ जोन के खिलाफ शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन की टीम में शामिल किया गया है। गुरनूर श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। गुरनूर को नॉर्थ जोन की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट अगले दौरों से पूर्व उन्हें रेड बॉल में ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहता है। गुरनूर भारत की पिछली दो टेस्ट टीमों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उनका टेस्ट डेब्यू अभी बाकी है। जुलाई में, वह इंडिया ए के श्रीलंका के शैडो टूर पर गए थे, और दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में 145 रन देकर 10 विकेट लिए थे। गुरनूर के प्रथम श्रेणी करियर के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वह 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट ले चुके हैं। 23 साल के गुरनूर ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया और भारत के हाल के इंग्लैंड दौरे पर तीनों वनडे मैच खेले। वह अब तक 6 वनडे मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन भी भारतीय टीम में हुआ था। हालांकि, उन्हें भी डेब्यू का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक नबी अपने वीजा पेपरवर्क के पूरा होने पर इंग्लिश काउंटी सर्किट में खेलने की सोच रहे हैं। चयनकर्ता भी चाहते हैं कि नबी तेज गेंदबाजों के लिए आसान हालात में कुछ मैच खेलें। नबी को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है, ऐसे में उन्हें भी ज्यादा से ज्यादा मौके देने पर टीम मैनेजमेंट विचार कर रहा है। अगर काउंटी में खेलने का मौका नहीं मिलता है, तो नबी 22 सितंबर से पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंडिया ए के दो मैचों में से पहले मैच में खेलेंगे, और फिर 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ ईरानी कप मैच के लिए जम्मू-कश्मीर टीम में शामिल होंगे। नबी ने जम्मू-कश्मीर को 2025-26 में रणजी ट्रॉफी की ऐतिहासिक खिताबी जीत में यादगार भूमिका निभाई थी और सीजन में 60 विकेट लिए थे।

'गांधारी' में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है

तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'गांधारी' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जिसकी बेटी किडनैप हो जाती है। बेटी को वापस लाने के लिए वह हर खतरे का सामना करने को तैयार है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तापसी ने किरदार की तैयारी, आंखों की रोशनी चले जाने के बाद निभाए गए सीन और एक्शन के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद पर भी नाराजगी जाहिर की।

तापसी ने कहा, 'फिल्म में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है। किरदार को समझने के लिए मुझे बहुत ज्यादा चीजें खुद से बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि पूरी भावनाएं पहले से कहानी में साफ थीं। मुझे बस उस किरदार को सही तरीके से पर्दे पर दिखाना था। कहानी के बीच में मेरा किरदार अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। ऐसे में किरदार के चलने के तरीके या दूसरे कामों के करने के तरीकों को समझने के लिए मैंने एक खास ट्रेनिंग ली कि बिना देखे किस तरह चलना है, शरीर की हरकत कैसी होनी चाहिए और किसी चीज को महसूस करते समय किस तरह प्रतिक्रिया देनी है। यह अनुभव मेरे लिए इसलिए भी अलग था, क्योंकि मुझे बोलने के बजाय अपने शरीर की हर छोटी हरकत से यह दिखाना था कि मेरा किरदार देख नहीं सकता।'

एक्शन को लेकर तापसी ने कहा, ''मैं इससे पहले भी एक्शन फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसलिए मुझे इसकी तैयारी का अंदाजा है। एक्शन करते समय कलाकार को खुद को इस तरह तैयार रखना पड़ता है कि चोट लगने का खतरा कम हो। इसके लिए शरीर और दिमाग दोनों को तैयार रखना जरूरी होता है। लेकिन, 'गांधारी' का एक्शन मेरे पुराने काम से अलग है, क्योंकि इसमें एक मां की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे किरदार का एक्शन किसी बदले की भावना से जुड़ा नहीं है। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए लड़ रही है। इसलिए जब वह किसी से भिड़ती है तो उसके पीछे गुस्से से ज्यादा अपनी बच्ची को वापस पाने की बेचैनी है। अगर मेरे किरदार की बेटी तक पहुंचने के रास्ते में कोई भी आएगा, तो वह उसे नहीं छोड़ेगी।''

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसकी शुरुआत तापसी और उनकी बेटी मिष्टी के साथ होती है। दोनों के बीच मां-बेटी का बेहद प्यारा रिश्ता दिखाई देता है। एक सीन में तापसी आंखों पर पट्टी बांधकर बच्ची के साथ छुपन-छुपाई खेलती नजर आती हैं। इसके बाद कहानी अचानक बदल जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान मिष्टी गायब हो जाती है और यहीं से एक मां की बच्ची को लेकर तलाश शुरू होती है। बेटी को काफी खोजने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिलता, तो तापसी का किरदार खुद उसे ढूंढने निकलता है। कहानी में आगे दिखाया जाता है कि सिर्फ मिष्टी ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके से कई बच्चियां गायब हुई हैं। इसके बाद मामला और गंभीर हो जाता है। तापसी को छाया कदम का किरदार ट्रेनिंग देता है, और वह आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी बेटी की तलाश के लिए निकल पड़ती है।

ट्रेलर में महाभारत का संदर्भ भी

ट्रेलर में महाभारत की गांधारी का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा जाता है कि जिस तरह गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी, उसी तरह एक मां अपनी बेटी के लिए आंखों पर पट्टी बांधेगी। आगे जॉयपुरा की रहस्यमयी दुनिया दिखाई देती है, जहां बहरूपियों और गायब होती बच्चियों से जुड़ा एक डरावना सच सामने आता है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया, तो इस पर तापसी ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मीडिया यह सवाल पूछना कब बंद करेगा? अगर सच में आप चाहते हैं कि हमारे बीच कोई विवाद न रहे तो ऐसे सवाल पूछना ही बंद कर देना चाहिए। शायद मीडिया को इस तरह के सवालों में काफी मजा आता है, तभी बार-बार यही बात पूछी जाती है।''

कबीर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के साथ निर्माता बने कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन ने अभिनय से आगे बढ़ते हुए अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत की है। यह बैनर अब मशहूर फिल्म निर्देशक कबीर खान के साथ उनकी आगामी फिल्म से आधिकारिक रूप से जुड़ गया है। यह अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म कार्तिक और कबीर खान की 2024 की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा 'चंदू चैंपियन' के बाद दूसरी साझेदारी है।

गौरतलब है कि 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित थी, जिसके लिए कार्तिक को हाल ही में भारत के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। असाधारण सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की के सफर को दिशा देने में मदद करता है।

माना जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी युवा कश्मीरी एथलीट तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने किकबॉक्सिंग चैंपियन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। कहानी सुनने के बाद से ही कार्तिक इससे इस कदर गहराई से जुड़ गए कि इसकी भावनात्मकता, संघर्ष, दृढ़ता और जज्बे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। इसी जुड़ाव के चलते उन्होंने फिल्म में अभिनय करने के साथ ही डोपामिन स्टूडियोज़ के माध्यम से निर्माता के रूप में भी जुड़ने का फैसला कर लिया। स संदर्भ में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'कहानी सुनते ही कार्तिक इससे बहुत गहरे स्तर पर जुड़ गए थे।

कार्तिक के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

डोपामिन स्टूडियोज की शुरुआत कार्तिक आर्यन के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहां वह अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी अपनी रचनात्मक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। कबीर खान के साथ उनकी यह दूसरी फिल्म भी संघर्ष, महत्वाकांक्षा, दृढ़ संकल्प और मानवीय जज्बे की जीत जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। दिलचस्प बात यह है कि इस भूमिका के लिए कार्तिक ने किस बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है और इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई और कश्मीर में की जा रही है। इसके अलावा फिल्म का शीर्षक, बाकी कलाकारों और रिलीज़ डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले समय में आधिकारिक रूप से सामने आने की उम्मीद है।

क्या रणबीर की ब्रह्मास्त्र 2 में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण?

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है।

दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाई देंगी।

दीपिका की भूमिका को लेकर क्या कहा गया था?

दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने कहा, 'हाल ही में आई वे सभी खबरें गलत हैं, जिनमें कहा गया है कि दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' का हिस्सा हैं या किसी भी तरह से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। हालांकि, दीपिका के इसमें शामिल होने की अटकलें यूं ही नहीं लगी थीं। साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन शिवा' में एक्ट्रेस की एक बहुत छोटी सी झलक दिखी। इसमें उन्हें 'अमृता' के तौर पर दिखाया गया था। अमृता एक शक्तिशाली अस्त्र चलाने वाली और 'अस्त्रावर्स' की पौराणिक कथाओं में एक अहम किरदार थीं। हालांकि उनका चेहरा बस कुछ ही पल के लिए दिखाया गया, लेकिन यह सीन बहुत अहम था। इसमें दीपिका का किरदार 'अमृता' एक बच्चे को लिए हुए 'देव' से भागती हुई दिखाई देती है। देव एक रहस्यमयी किरदार है, जिसके बारे में फिल्म के आखिर में पता चलता है। इस सीन ने उस कहानी की नींव असरदार ढंग से रखी, जिसे 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाए जाने की उम्मीद थी।

दीपिका का वर्क फ्रंट

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अल्लू अर्जुन की 'राका' को लेकर व्यस्त हैं। इसमें वे अहम भूमिका अदा करेंगी। इसके अलावा वे शाहरुख खान की 'किंग' में भी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण की निजी जिंदगी की बात करें तो वे प्रेग्नेंट हैं। रणवीर सिंह के साथ अगले महीने वे दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर म्यूज़िक की दुनिया में रखा कदम

मुंबई एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाज़ान पदमसी ने म्यूज़िक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाज़ान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के ज़रिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज़ या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी ज़िंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूज़िक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाज़ान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाज़ा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूज़िक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज़ में साथ आते हैं।

तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर राय रखी

'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में 'वेटरन' का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।'' तनुश्री ने लिखा, ''वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।'' तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ''ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे।

अर्जुन रेड्डी के 9 साल

शालिनी पांडे ने डेब्यू को किया याद

मुंबई 'अर्जुन रेड्डी' को रिलीज़ हुए नौ साल पूरे हो गए हैं, लेकिन यह कल्ट तेलुगु फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में गिनी जाती है। गौरतलब है कि इस फिल्म के साथ ही फिल्म की नायिका शालिनी पांडे के फिल्मी सफर के भी नौ साल पूरे हो गए हैं, क्योंकि इसी फिल्म के जरिए उन्होंने प्रीति के किरदार में अपना अभिनय करियर शुरू किया था। इस अवसर पर शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर फिल्म और अपने डेब्यू को याद किया है। शालिनी ने 'अर्जुन रेड्डी' से अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'यहीं से शुरुआत हुई थी। सब कुछ यहीं से शुरू हुआ था।' इसी के साथ फिल्म और उनके किरदार को मिले अपार प्यार के लिए आभार जताते हुए उन्होंने आगे लिखा है, 'हमें इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, और प्रीति को हमेशा के लिए अपने दिलों का हिस्सा बनाने के लिए भी धन्यवाद।'

डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने नाइट मार्केट के दुकानदारों के साथ मिलकर मनाया प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। दमण नगरपालिका अध्यक्षा दीपिका टंडेल ने वॉर्ड नं. 8 स्थित नाइट मार्केट के व्यापारियों एवं दुकानदारों के साथ मिलकर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर नाइट मार्केट में केक काटा गया। इस दौरान उपस्थित सभी ने प्रशासक प्रफुल पटेल के स्वस्थ एवं दीर्घायु की कामना की। इस कार्यक्रम में डीएमसी के पूर्व काउंसिलर चंद्रगिरी टंडेल, नाइट मार्केट के व्यापारियों एवं दुकानदारों की उपस्थिति रही।

डीआईए ने मनाया प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन, दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन डीआईए हॉल में मनाया गया। इस अवसर पर दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष आर. के. शुक्ला, संयुक्त सचिव विनीत भार्गव, मुख्य सलाहकार रमेश कुंदनानी एवं डीआईए के सदस्यों, उद्योगों के अग्रणी ईश्वर पटेल, डाक्टर बी. पी. सिंह, फाल्गुनी पटेल ने संघ प्रदेश प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की हार्दिक बधाईयां दी। दमण उद्योग जगत ने प्रशासक प्रफुल पटेल की नई सोच, नव निर्माण एवं विकासोन्मुखी दृष्टिकोण की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उद्योग जगत ने कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में दमण में औद्योगिक विकास, निवेश को प्रोत्साहन तथा रोजगार के नए अवसरों के सृजन की दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने कहा कि दमण के औद्योगिक क्षेत्र के विकास और उद्योगों से जुड़े विभिन्न विषयों के समाधान के लिए प्रशासन एवं उद्योगजगत के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। एसोसिएशन भविष्य में भी दमण के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में सकारात्मक सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। एसोसिएशन ने प्रशासक प्रफुल पटेल के उज्जवल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव एवं लक्षद्वीप निरंतर प्रगति, विकास और नव निर्माण के नए आयाम स्थापित करे।

आईआईआईटीएम एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशंस इंडिया ने प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर सुकन्या समृद्धि योजना सम्मान समारोह किया आयोजित

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महामंत्री एवं काउंसिलर तमन्ना मिठाणी , उपाध्यक्ष मोहम्मद अली मिया दमानी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह और एडवोकेट मनीषा, आईआईआईटीएम एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशंस इंडिया के निदेशक प्रो. शेख शोएब अनवर ने नानी दमण के खारीवाड में आयोजित कार्यक्रम में 11 लाभार्थियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन के अवसर पर आईआईआईटीएम एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशंस इंडिया ने सुकन्या समृद्धि योजना के लाभार्थियों को सम्मानित करने के लिए खारीवाड़ में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिवारों को अपनी बेटियों के शैक्षिक और वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करना और बालिका के भविष्य में निवेश के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। सुकन्या समृद्धि योजना के कुल 11 लाभार्थियों को उनकी भागीदारी और अपनी बेटियों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महामंत्री एवं काउंसिलर तमन्ना मिठाणी उपस्थित रही। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथियों में थ्रीडी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष मोहम्मद अली मिया दमानी, अल्पसंख्यक मोर्चा कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह और एडवोकेट मनीषा उपस्थित रहें। जिन्होंने लाभार्थियों का उत्साह बढ़ाया और इस पहल की सराहना की। अतिथियों ने बालिका की वित्तीय सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सुकन्या समृद्धि योजना के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने जागरूकता पैदा करने और माता-पिता को अपनी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सार्थक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने में आईआईआईटीएम एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशंस इंडिया के प्रयासों की भी सराहना की। समारोह एक सकारात्मक और प्रेरक माहौल में आयोजित किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने इस पहल के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन आईआईआईटीएम एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशंस इंडिया के निदेशक प्रो. शेख शोएब अनवर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, लाभार्थियों, अभिभावकों और उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। लाभार्थियों को वसीफ़ा जाफ़र द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ - उसका भविष्य सुरक्षित करें, उसके सपनों को सशक्त बनाएं का संदेश दिया गया। आईआईआईटीएम एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशंस इंडिया ने शैक्षिक जागरूकता, सामाजिक सशक्तिकरण और ऐसी पहलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, जो हर लड़की के लिए एक सुरक्षित, शिक्षित और समृद्ध भविष्य बनाने में योगदान देती हैं।

कचीगाम सरपंच फाल्गुनी पटेल ने प्रशासक पटेल के जन्मदिन पर कचीगाम पीएचसी में किया सेवाकीय कार्य

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त।

कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल ने प्रशासक प्रफुल पटेल जन्मदिन कचीगाम पीएचसी में सेवाकीय कार्य किया। इस अवसर पर फाल्गुनी पटेल ने पीएचसी स्टाफ और शिशु एवं माता के साथ सेवा का कार्य किया। इस मौके पर सरपंच फाल्गुनी पटेल ने कचीगाम सीएचसी में हाल ही में जन्म लिए शिशु एवं माता को किट प्रदान किया। सेवाकीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन और प्रदेश में 10 वर्ष के दौरान हुए विकास कार्यों का जश्न मनाया गया।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और सफल 10 वर्षों के शासनकाल के उपलक्ष्य में रिंगणवाडा जिला पंचायत सदस्य ईश्वर पटेल ने किये सेवा के विशेष कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। दमण में एक विशेष अवसर पर सेवा और सद्भावना का अनूठा संदेश देखने को मिला। प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और संघ प्रदेश थ्रीडी में उनके 10 वर्षों की सफल विकास यात्रा के अवसर पर रिंगणवाड़ा जिला पंचायत सदस्य ईश्वर बी. पटेल द्वारा विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर शिवजी को सजाया गया और दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं के बीच केक वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने इस सेवा भाव की सराहना करते हुए प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। वहीं सेवा और करुणा की भावना को आगे बढ़ाते हुए जिला पंचायत सदस्य ईश्वर पटेल के परिवार द्वारा घर पर प्रेमपूर्वक गौ माता के लिए लड्डू तैयार किए गए। गौशाला और सड़क पर गायों को लड्डू खिलाकर सेवा का संदेश दिया गया। यह आयोजन केवल जन्मदिन का उत्सव नहीं, बल्कि दमण की दस वर्षों की विकास यात्रा, जनसेवा, समर्पण और जनकल्याण के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सुंदर प्रयास रहा। साथ ही प्रशासक प्रफुल पटेल को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर जनसेवा की शक्ति प्रदान करने की के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

दमण में समुद्र देव को नारियल अर्पण कर मनाया गया नारियल पूर्णिमा उत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 अगस्त। दमण में शुक्रवार को नारियल पूर्णिमा का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। समुद्र देव को नारियल अर्पण कर नारियल पूर्णिमा उत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर दमण लायंस क्लब और संघ प्रशासन के संयुक्त प्रयास से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान रस्सीखींच, नौका दौड़, तैराकी सहित कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। नानी दमण जेटी पर आयोजित नारियल पूर्णिमा उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान कोस्टगार्ड की ओर से हवाई करतब भी दिखाएं गए। नारियल पूर्णिमा के दिन ही मछुआरें समुद्र देव की पूजा-अर्चना कर अपने व्यवसाय की शुरूआत करते हैं और मत्स्य व्यवसाय में तरक्की के लिए प्रार्थना करते हैं।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन के अवसर पर दीव में निकली बाइक रैली

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 29 अगस्त। प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और 10 वर्ष के सुशासन के उपलक्ष्य में दीव भाजपा द्वारा बाइक रैली निकाली गई। वणाकबारा से निकली बाइक रैली विभिन्न विस्तारों में घूमी, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी गई।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)